

पत्रांक.....1769

दिनांक 23/4/15

अनुसूचित 12-प्रपत्र संख्या 113

संपत्ति -अवभार प्रमाणपत्र

प्रमाण-पत्र सं० 1015

आवेदन सं०

चूँकि श्री

Om Realty Dhanbad

ने मेरे पास आवेदन किया है

कि निम्नलिखित सम्पत्ति के संबंध में निबंधित संख्यवहारों और अवमाने का सविवरण: मान-पत्र दिया जाय।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संख्यवहारों और अवभारों के बारे में बही 1 सं० और उसे संबंध अनुक्रमणियों में ता० 2013 तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी बाद निम्न संख्यवहारों और अवभारों का पता चला है :-

Nil

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन का तारीख	(क) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पदों के नाम		दस्तावेज को प्रविष्टि के प्रति निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ
	Mauza Sabalpur							
	New khata NO- 67							
	Old khata NO-17							
	New Plot NO 678, 679, 680 & 661							
	Old Plot NO- 529, 578, 579, 580, & 581							
	Area 51 Dec							


(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 1. बंधक-पत्र के साथ दशा में ब्याज का दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि उनके बारे में उल्लेख हो।

2. पट्टे की दिशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

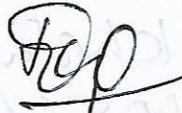
मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपयुक्त सव्यवहार और अवभागों को छोड़, उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की और प्रमाणित तैयार किया:-

(हस्ताक्षर) 

(पदनाम)

तलाशी का सत्यापन और प्रमाणपत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर) 

(पदनाम)

कार्यालय

तारीख

DSR Dhanbad
22/04/25

मुहर



निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

22/04/25

- टिपणी:- (1) इस प्रमाणपत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये हैं वे आवेदन द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेज में दिखाया गया हो, तो वैसी दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित सव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेंगे।
- (2) निबंधन अधिनियम की धारा 56 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियों देखना चाहते हों, अथवा उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिविष्ट संपत्तियों के अवधारों के प्रमाणपत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं का ना होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियों और अनुक्रमणियों उनके सामने रख दी जायेगी।
- (क) किन्तु चूकिं वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलासी अपने मसक सावधानी से की है। फिर भी विभाग प्रमाणपत्र में दिये गये तलासी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा।
- (ख) और चूकिं वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है और चूकिं उसके द्वारा ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा न ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों की छुट के लिए किसी भी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो

Surek made by me

S. K. Mukherjee